RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 292
दि. 23.02.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'एआई समिट को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया...', कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर पीएम मोदी का वार

पीएम मोदी ने आज दिल्ली-मेरठ 'नमो भारत रैपिड रेल' के पूरे 82 किलोमीटर के स्ट्रेच का उद्घाटन किया. इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सपा-बसपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में विकास योजनाएं भटकती नहीं हैं.

मेरठ, (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (फ्म्ब्ळर) के शेष हिस्सों का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद पीएम ने एक जनसभा को भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि अब योजनाएं लटकती-भटकती नहीं है. साथ ही पीएम ने एआई समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर भी तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि एक वैश्विक आयोजन को कांग्रेस ने अपनी गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया.

पीएम ने मेरठ में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ कर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज पहली बार, एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है. विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है. शहर के अंदर के लिए मेट्रो और ३६ल्ल्.३८ के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन... मुझे संतोष है कि ये काम उत्तर प्रदेश में हुआ है.'

पीएम ने जोर देते हुए कहा कि हमारी कार्य संस्कृति है कि जिस काम का शिलान्यास किया जाए, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दिया जाए. इसलिए अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती, भटकती नहीं हैं. अब सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ... इन स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है. देश में ये पहली बार हो रहा है जब एक ही स्टेशन, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी. यानी एक ही प्लेटफॉर्म से आप शहर के अंदर भी यात्रा कर पाएंगे और उसी स्टेशन से सीधे दिल्ली भी आ-जा सकते हैं.

पीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सन्नाटा छा जाता था. यहां डर और भय का माहौल होता था. अब एक तरफ कानून-व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण और सुरक्षित यात्रा का भी माध्यम मिला है. मुझे खुशी है कि नमो भारत रैपिड रेल... ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक भी बनी है.

इसमें ट्रेन ऑपरेटर, स्टेशन कंट्रोल स्टाफ... ऐसे अधिकतर काम में हमारी बेटियां ही कार्यरत हैं, बेटियां ही नेतृत्व कर रही हैं.

'तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क'

उन्होंने कहा, 'आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है. यूपी में मेरठ के अलावा भी कई सारे शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है. बीते 11 सालों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची... क्योंकि भाजपा सरकार देश की जनता को सुविधा देना चाहती है.'

'अकसमिट को बनाया राजनीतिक अखाड़ा'

पीएम ने कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं. अभी आपने देखा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा अक केस्रूं३ र९े३ हुआ, दुनिया भर के 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए थे. दुनिया के विकासशील देशों में ऐसा सम्मेलन आज तक कभी नहीं हुआ, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया. समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए. मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी.

'कांग्रेस की हो रही है थू-थू...'

पीएम ने कांग्रेस की नीति की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने वहां जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया, कितनी दरिद्र हो गई है... कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है.

ढट ने कहा कि एआई ग्लोबल समिट बीजेपी का समारोह नहीं था, ये देश का समारोह था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था. लेकिन कांग्रेस ने परसों सारी मयार्दाएं तोड़ दी. आज पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है.

सिंगापुर में सीएम योगी का जलवा: 36 लाख करोड़ की इकोनॉमी के लिए मेगा रोडशो

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 22-24 फरवरी 2026 की सिंगापुर यात्रा राज्य की अर्थव्यवस्था को 36 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य तक पहुँचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 से 24 फरवरी 2026 तक सिंगापुर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य केवल निवेश जुटाना ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को दुनिया के नक्शे पर एक 'भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी' बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में ब्रांड करना है। भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों के बीच, सीएम योगी का यह दौरा यूपी में डिजिटलाइजेशन, स्किल डेवलपमेंट और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का इंजन बन चुका है। साल 2024-25 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (ऋूउ्ढ) लाख करोड़ रुपये रही, जो अब 2025-26 तक लाख करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को छूने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी निवेशकों को यूपी की 'डिजिटल

यूपी बनेगा ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब!

सिंगल विंडो' प्रणाली की ताकत दिखा रहे हैं, जहाँ लालफीताशाही की जगह

'रेड कार्पेट' ने ले ली है। राज्य की विशिष्ट क्षेत्रीय नीतियां निवेशकों को यह भरोसा दिलाती हैं कि यूपी में उनका पैसा न केवल सुरक्षित है, बल्कि तेजी से बढ़ने वाला है। अपनी इस यात्रा के दौरान सीएम योगी सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व से संवाद कर रहे हैं। राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ होने वाली इन उच्चस्तरीय बैठकों का एजेंडा बहुत स्पष्ट है।

भारत-सिंगापुर के राष्ट्रीय सहयोग को उत्तर प्रदेश की जमीन पर हकीकत में बदलना। यह संवाद यूपी की प्रशासनिक क्षमता और सिंगापुर की तकनीकी विशेषज्ञता को एक मंच पर लाने का जरिया बनेगा।

बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा एआई और डेटा हब

योगी सरकार का विजन बिल्कुल स्पष्ट है। उनका ध्यान जेवर में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 'हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर्स' स्थापित करने पर है। इसके लिए सिंगापुर की दिग्गज कंपनियों को न्योता दिया गया है। साथ ही, एविएशन, एयर कार्गो लॉजिस्टिक्स और ग्रीन एनर्जी जैसे भविष्य के क्षेत्रों में सिंगापुर की महारत का लाभ उठाने के लिए एमओयू (टङ्क्वर) की तैयारी है। राज्य सरकार चाहती है कि यूपी दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्रमुख 'लॉजिस्टिक्स गेटवे' बने।

वैश्विक दिग्गजों की नजर अब उत्तर प्रदेश पर

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 'इन्वेस्ट यूपी मेगा रोडशो' है। इस भव्य आयोजन में सिंगापुर के 'सॉवरेन वेल्थ फंड्स' जैसे तामसेक और जीआईसी के साथ-साथ दुनिया के बड़े डेटा सेंटर ऑपरेटर और प्राइवेट इक्विटी फंड्स हिस्सा ले रहे हैं। यह रोडशो उत्तर प्रदेश को दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए निवेश के सबसे अनुकूल गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा, जिससे आने वाले समय में लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

मधुबनी: लूट की बाइक और 1.2 किलोग्राम गांजा के साथ दो गिरफ्तार

मधुबनी, बिहार में मधुबनी जिले की पुलिस ने लौकहा थाना क्षेत्र से लूटी गई बाइक और 1.2 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो अभियुयुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने

रविवार को बताया कि 17 फरवरी को लौकहा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराही के समीप हथियार का भय दिखाकर एक बाइक लूट ली गई थी। पीड़ित द्वारा लौकहा थाना में लिखित आवेदन दिया गया था। जिसके आधार पर लौकहा थाना कांड संख्या-33/26 दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई।.

590 करोड़ के घोटाले के बाद हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, दो बैंकों पर तत्काल रोक, खाते बंद व राशि तुरंत अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें

हरियाणा में 590 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी से हड़कंप मच गया है. मामला सरकारी खातों से जुड़ा होने के कारण सरकार ने तुरंत सख्त कदम उठाए. दो बैंकों को सरकारी कामकाज से बाहर कर दिया गया है. अब पूरे मामले की गहन जांच और ऑडिट प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. हरियाणा में 590 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने तत्काल प्रभाव से IDFC फर्स्ट बैंक और अव स्मॉल फाइनेंस बैंक को सरकारी कामकाज से बाहर कर दिया है. अब इन बैंकों के जरिए कोई भी सरकारी लेनदेन नहीं होगा. सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने खाते बंद कर शेष राशि तुरंत अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें.

हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने जारी सर्कुलर में साफ कहा है कि अगली सूचना तक इन दोनों बैंकों में सरकारी धन न जमा होगा, न निवेश और न ही किसी तरह का ट्रांजैक्शन किया जाएगा. विभागों, बोर्डों, निगमों और पीएसयू को तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है. साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य खातों का मासिक मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए. 31 मार्च 2026 तक सभी खातों का मिलान पूरा कर 4 अप्रैल 2026 तक प्रमाणित रिपोर्ट सौंपनी होगी.

दरअसल IDFC First Bank ने अपनी नियामकीय फाइलिंग में खुलासा किया कि चंडीगढ़ शाखा के जरिए संचालित हरियाणा सरकार से जुड़े कुछ खातों में लगभग 590 करोड़ रुपये की अनियमितता पाई गई है. बैंक के अनुसार, प्राथमिक जांच में पता चला है कि कुछ कर्मचारियों ने बिना अनुमति के लेनदेन किए. मामला तब उजागर हुआ जब एक सरकारी विभाग ने अपने खाते बंद कर दूसरी बैंक में राशि ट्रांसफर करने का अनुरोध किया और बैलेंस में अंतर दिखा.

बैंक ने कहा है कि शुरूआती जांच में मामला सिर्फ कुछ सरकारी खातों तक सीमित नजर आ रहा है और अन्य ग्राहकों पर इसका असर नहीं है. जांच पूरी होने तक चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है. बैंक ने संदिग्ध खातों में शेष राशि पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों को रिकॉल नोटिस भेजा है. साथ ही फॉरेंसिक ऑडिट के लिए स्वतंत्र एजेंसी नियुक्त की गई है और वैधानिक ऑडिटरों को भी सूचित कर दिया गया है.

वित्त विभाग ने यह भी पाया कि कई मामलों में जिन रकम को उच्च ब्याज वाले फिक्स्ड डिपॉजिट में रखना था, उसे बचत खाते में ही रखा गया.

आचार संहिता उल्लंघन मामले को लेकर भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी के खिलाफ केस दर्ज

गिरिडीह, झारखंड के गिरिडीह जिले में 23 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव में आदर्श अचार संहिता उल्लंघन को लेकर नगर थाना में विधानसभा के विरोधी दल के नेता बाबूलाल मरांडी के खिलाफ रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है।.

'मुझसे गलती हुई है, मुझे रामभद्रचार्य को जेल भेजना चाहिए था', शंकराचार्य पर एफआईआर को लेकर भड़के अखिलेश यादव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए शंकराचार्य विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि 20 साल पुरानी बातों को उछालकर शंकराचार्य का अपमान करने की कोशिश की जा रही है. शिकायतकर्ता रामभद्रचार्य जी का शिष्य है, तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था, वह वापस लिया था. मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था.

लखनऊः (जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हुए भारतीय जनता पार्टी और राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने शंकराचार्य से जुड़े कथित विवाद और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा. अखिलेश यादव ने कहा, 'शिकायतकर्ता रामभद्रचार्य जी का शिष्य है, तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था, वह वापस लिया था. मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था'.

अखिलेश ने कहा, 'शंकराचार्य कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे, उस समय सर्दी चरम पर थी. हमारे सनातनी व्यवस्था में कहीं किसी शंकराचार्य को स्नान से रोका नहीं गया होगा, लेकिन यह पहली बार हुआ है कि उन्हें स्नान से भी रोका गया. अब यह सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना ढूंढकर लाई है.

अखिलेश यादव ने कहा कि 20 साल पुरानी बातों को उछालकर शंकराचार्य का अपमान करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने जगतगुरु रामभद्राचार्य का नाम लेते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले दर्ज 420 के मुकदमे को वापस लेना उनकी गलती थी. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि रामभद्राचार्य जी के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शंकराचार्य से 'सर्टिफिकेट' मांग रही है, जबकि उनके पास खुद का कोई प्रमाण नहीं है.

विकास बनाम 'भ्रष्टाचार की पाइपलाइन'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार बचने वाली नहीं है, जनता ने इसे अस्वीकार कर दिया है, बस वोट का इंतजार है. उनकी सरकार ने गोमती और हिंडन नदियों की सफाई के लिए काम शुरू किया था, लेकिन वर्तमान सरकार विकास से 'नफरत' करती है. उन्होंने आरोप लगाया कि अंडरग्राउंड पाइपलाइन के नाम पर 'भ्रष्टाचार की पाइपलाइन' बिछाई जा रही है, जो बुंदेलखंड से लखनऊ तक सीधी जा रही है.

जापान यात्रा को लेकर क्या बोले अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने महाभारत में पात्र कर्ण को लेकर बयान देते हुए कहा कि जब कर्ण को कहा गया कि तुम शूद्र हो, तब कर्ण ने यह बात कही थी, हमारे मुख्यमंत्री बिष्ट जी पता ही नहीं है कहा क्या बोलना है. किसी चापलूस अधिकारी ने उनसे कह दिया कि जापान चलो उसका जापान जाने का मन था, तो वह जापान जा रहे हैं.

बुलेट ट्रेन परियोजना की लागत बढ़ने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले यह एक करोड़ थी, अब दो करोड़ हो गई है. उन्होंने जापान दौरे पर भी तंज कसते हुए कहा कि जापान जा रहे हैं, लेकिन क्योटो नहीं जा रहे. अखिलेश यादव ने भाजपा पर फर्जी और एडिटेड वीडियो चलाकर नफरत फैलाने का आरोप लगाया. उन्होंने 2014 की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को जेल तक जाना पड़ा.

जयराम रमेश बोले-मोदी तारीफ करते रहे, ट्रम्प टैरिफ लगाते रहे:अमेरिका से ट्रेड डील किसानों के गले में फंदा, एकतरफा समझौता मंजूर नहीं

नई दिल्ली , (जीएनएस)।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी तारीफ करते रहते हैं, जबकि ट्रम्प टैरिफ लगाते रहते हैं। मैं यह राष्ट्रपति ट्रम्प के बयानों के आधार पर कह रहा हूं।

जयराम रमेश ने कहा कि अगर समझौता होना है तो बराबरी का होना चाहिए। लेन-देन का मतलब यह नहीं है कि भारत सिर्फ देता रहेगा और कुछ लेगा नहीं।

रमेश ने कहा कि यह डील संतुलित नहीं बल्कि एकतरफा है। इसका सबसे बड़ा असर देश के किसानों पर पड़ेगा।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले- शंकराचार्य को फंसा रही सरकार, यह सनातन का अपमान

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को शाहजहांपुर पहुंचे। उन्होंने यहां कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के आवास में प्रेसवार्ता की। इस दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

शाहजहांपुर , (जीएनएस)।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से पहले भी मंत्री विदेश गए। उसके बाद भी कोई निवेश नहीं आया। नए कारखाने आने के बजाय पुरानी फैक्टरी बंद हो रही हैं। बदायूं के दातागंज जाते समय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता के आवास पर रुके प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यसभा सांसद के शाहजहांपुर में निधि देने पर कहा कि भाजपा के लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। आरोप लगाया कि लोकायुक्त ने भाजपा के एक विधायक को घूस लेते पकड़ा।

यूजीसी पर बोले कि पहले मंदिर-मस्जिद के नाम पर लड़ाने वाली भाजपा अब हिंदुओं को लड़ाने का काम कर रही है। नफरत की राजनीति कर जनता को गुमराह किया जा रहा है। बदायूं में अल्पसंख्यकों को पीटा जा रहा है। बड़े काम गुजरात के ठेकेदारों को दिए जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने शंकराचार्य पर रिपोर्ट दर्ज होने के आदेश पर कहा कि शंकराचार्य सभी के पूज्यनीय हैं। सरकार शंकराचार्य व उनके शिष्यों को फंसा रही है। यह पूरे सनातन और देशवासियों का अपमान है।

एआई समिट में युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को प्रदेश अध्यक्ष ने ठीक बताया। कहा कि यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोट को अपना बता दिया। इस झूठ को आइना दिखाने पर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को प्रताड़ित किया गया। झांसी व ललितपुर में कार्यकताओं पर अत्याचार किया और झूठ बोलने वालों पर अब तक सरकार ने कार्रवाई नहीं की। प्रेसवार्ता के दौरान सीतापुर के सांसद राजेश राठौर, जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, तकवीम हसन खां, अशफाक उल्ला खां, पवन सिंह, अनूप वर्मा, धर्मेंद्र दीक्षित, गौरव त्रिपाठी, शोभित मिश्रा, फुरकान कुरैशी आदि मौजूद रहे।

युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भगवान परशुराम का प्रतीकात्मक फरसा देकर अभिनंदन किया। राय ने कहा कि फरसा देकर स्वागत करना न केवल सांस्कृतिक सम्मान है, बल्कि पार्टी को जिले में नई धार और ऊर्जा प्रदान करने का प्रतीकात्मक संदेश भी है। इससे पहले युवाओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

तिलहर में भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का काफिला रविवार दोपहर करीब एक बजे पहुंचा। यहां नगराध्यक्ष जाने आलम ने कार्यकताओं के साथ आंबेडकर पार्क के पास जोरदार स्वागत किया। कार्यकताओं ने उन्हें रोककर फूल-मालाएं पहनाईं और जोरदार नारेबाजी के साथ स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सम्पादकीय

मातृभाषा व बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर प्रभाव

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा, आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्वृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए सर्मपित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने, भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता पैलाने के ाम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्वृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।' बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरूआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्वृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्वृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरूआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूवा पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीवुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम व्रमशः 'सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं (वर्ष 2025 की थीम) तथा बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़'(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरूआती शिक्षा (विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्वृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं।

'मिलता तबे न लोगवा हिलऽता', भाजपा विधायक के इस बयान के आईने में समझिए बिहार की शराबबंदी

बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। लेकिन सियासी दलों की नजरों में भी होम डिलीवरी चल रही है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से लेकर जन सुराज के प्रशांत किशोर तक। इन नेताओं ने गाहे- बगाहे शराबबंदी कानून की उपयोगिता पर सवाल उठाते रहे हैं। ताजा मामला सत्तापक्ष में बैठी बीजेपी के एक विधायक के बयान का है। उन्होंने इस कानून पर तंज कसा है।

बिहार शराबबंदी कानून(फोटो- नवभारतटाइम्स.कॉम)

पश्चिम चंपारणः : जमीन पर पुलिस। श्वान दस्ता। उत्पाद विभाग की पुलिस। आसमान में ड्रोन और पानी में विशेष धावा दल। ये उपाय बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए एक्टिव किए गए हैं। 1 अप्रैल, 2016 से बिहार में शराबबंदी लागू है। कुल मिलाकर पूर्व शराबबंदी के 10 साल हो गए। लेकिन बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से कभी सफल नहीं हुई। जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत। लगातार हो रही भारी मात्रा में तस्करी। जब, जहां और जैसे चाहें, जिस स्थान पर चाहें आपको शराब आसानी से मिल जाएगी। बिहार में शराबबंदी कानून शराब माफियाओं के लिए अमृतकाल बनकर आई। उन्होंने तस्करी से हजारों करोड़ का एक अलग आर्थिक सम्राज्य खड़ा करने का काम किया है। इतना ही नहीं, अब सरकार के भीतर से यानी सत्तापक्ष की ओर से शराबबंदी कानून की उपयोगिता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

शराबबंदी कानून की समीक्षा क्यों?

बिहार विधानसभा में शराबबंदी कानून की समीक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए। उसके बाद पश्चिमी चंपारण के लौरिया से बीजेपी विधायक विनय बिहारी ने कहा है कि शराब मिलता, तबे ना लोगवा हिलता। शराब ना मिली तो लोगवा ना हिली। उन्होंने भोजपुरी में शराबबंदी कानून पर तंज कसते हुए

खुद की सरकार को आईना दिखाने का काम किया है। विनय बिहारी ने आगे कहा कि जब मिलता, बिकाता, लोग जेलो जाता ओकरा बादो यदि सुधार नईखे त सरकार के अपना फैसला पर विचार करे के चाहीं। (जब शराब मिल रहा है। बिक रहा है। लोग जेल जा रहे हैं। उसके बाद भी सुधार नहीं है, तो सरकार को अपने फैसले पर विचार करना चाहिए) उन्होंने यहां तक कहा कि सरकार यदि शराबबंदी कानून लागू नहीं कर पा रही है, तो इसे पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। ध्यान रहे कि इससे पहले प्रशांत किशोर ने सरकार में आते ही सबसे पहले शराबबंदी को खत्म करने की बात कही थी।

बीजेपी विधायक का सवाल?

विनय बिहारी ने साफ कहा कि प्रतिबंध है, उसके बाद भी शराब की अवैध बिक्री जारी है। बिहार में सूखा नशा और ड्रग्स की खेप आ रही है। नशे की अन्य प्रवृतियां भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं किसी शादी या बारात में जाता हूं, तो आधे से ज्यादा लोग शराब का सेवन किए हुए मिलते हैं। उन्होंने उसके बाद भोजपुरी में कहा कि मिलता तबे न ई लोगवा हिलता। (मिल रहा है, तभी तो लोग हिल रहे हैं)। विनय बिहारी अश्लील गानों पर सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे संस्कृति और भोजपुरी की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस दिशा में ठोस और कठोर कदम उठाना चाहिए। विनय बिहारी ने शराब के मसले पर साफ कहा कि बंदी मतलब बंदी। सही तरीके से बंद किया जाए। सरकार को अपने इस फैसले पर विचार करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री कर चुके हैं मांग

ध्यान रहे कि इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग करते हुए थोड़ा बहुत पीने वालों को परेशान नहीं करने और एकाध पौवा लेकर घर जाने वालों को नहीं पकड़ने की वकालत की थी। जीतन राम मांझी ने यहां तक कहा था कि बिहार के अधिकारी शराब पीते हैं। उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी जारी है। पड़ोसी राज्यों से शराब आ रही है। इसका असर दलित समुदाय पर रो रहा है। शराबबंदी कानून की समीक्षा को लेकर आवाज उठने लगी है। बीजेपी विधायक और सरकार में बैठे लोग इसको लेकर सवाल उठाने लगे हैं। वैसे में कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में सरकार इसे लेकर समीक्षा कर सकती है।

पीएम मोदी समझौता कर चुके हैं, उनका विश्वासघात अब उजागर हो गया है', कांग्रेस

कांग्रेस ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापार समझौते पर अमेरिका से दोबारा बातचीत नहीं कर सकते और वह फिर से समर्पण कर देंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक शुल्क को खारिज कर दिया, जिससे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है।न्यायाधीशों ने बहुमत के फैसले में कहा कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल है।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं। उनका विश्वासघात अब उजागर हो गया है। वह (व्यापार समझौते पर) दोबारा बातचीत नहीं कर सकते। वह फिर से समर्पण कर देंगे।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "बिना सिर-पैर वाली विदेश नीति या एकतरफा समर्पण? जिस "ट्रंप डील" ने भारत से भारी रियायतें लीं, मोदी सरकार ने उसमें फंसने से पहले सुप्रीम कोर्ट पर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया?"

बागपतः पत्नी का भतीजे से अफेयर, थाने में कराई गई दोनों की शादी फ्रीं टङ्गश्री बागपतः पत्नी का भतीजे से अफेयर, थाने में कराई गई दोनों की शादी

उन्होंने कहा, "संयुक्त वक्तव्य में भारत को होने वाले कई अमेरिकी नियातों पर शून्य शुल्क की बात कही गई है जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र का द्वार अमेरिकी वस्तुओं के लिए खुल जाएगा। साथ ही, 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान आयात करने की योजना, हमारी ऊर्जा सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाले रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता और डिजिटल मोर्चे पर कई कर रियायतों की बात संयुक्त वक्तव्य में कही गई है।"

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि भारत के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करने के लिए उन पर किसने दबाव डाला? क्या यह एप्स्टीन फाइलें थीं?"उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत सरकार अपनी गहरी नींद से जागेगी और एक निष्पक्ष व्यापार समझौता करेगी जो 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के आत्मसम्मान और हमारे किसानों, श्रमिकों, छोटे व्यवसायों और व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगा?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह समझौता एक कठिन परीक्षा की तरह बन गया है जिसका सामना देश को प्रधानमंत्री के आत्मसमर्पण के कारण करना पड़ रहा है। रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए यह सवाल भी किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें?

बिहार सरकार ने वैभव सूर्यवंशी के लिए खोला खजाना, सीएम नीतीश कुमार ने थमाया 50 लाख का चेक, मिली लग्जरी कार

(जीएनएस)।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के हीरो और बिहार के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों चर्चाओं में बने हुए हैं। रविवार को उनके गृह राज्य में जबरदस्त तरीके से स्वागत किया गया। जिम्बाब्वे की धरती पर भारत को छठा विश्व खिताब दिलाने के बाद पटना पहुंचे वैभव पर इनामों और सम्मान की बौछार हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य सरकार की ओर से उन्हें 50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की।

वैभव को मिला 50 लाख रुपये का चेक

रविवार शाम 4 बजे मुख्यमंत्री आवास के संकल्प सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव को 50 लाख रुपये का चेक भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह और मंत्री विजय चौधरी भी उपस्थित थे। सरकार ने वैभव को

इस उपलब्धि को बिहार के खेल इतिहास का उज्जवल भविष्य करार दिया।

पटना एयरपोर्ट पर लगी फैंस की भीड़

इससे पहले जब वैभव पटना एयरपोर्ट पहुंचे तो हजारों फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसी दौरान टाटा मोटर्स की ओर से उन्हें एक नई लग्जरी कार उपहार में दी गई। इस भावुक क्षण में वैभव के पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी उनके साथ मौजूद थे। वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जो पारी खेली, उसने क्रिकेट जगत के कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए।

वैभव ने खेली थी 80 गेंदों पर 175 रनों की विस्फोटक पारी

महज 14 वर्ष की आयु में वैभव ने 80 गेंदों पर 175 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की मदद से भारत ने 411 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर खिताब जीता। अंडर-19 विश्व कप फाइनल के इतिहास में 175 रन किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। उन्होंने राज बावा (162*) का रिकॉर्ड तोड़ा।

उन्होंने अपनी पारी के 150 रन केवल चौकों और छक्कों से बनाए, जो यूथ वनडे में एक नया विश्व कीर्तिमान है। एक ही विश्व कप संस्करण में 30 छक्के जड़कर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस (18 छक्के) का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। वैभव अब भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट में सर्वाधिक रन (1412 रन) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

सुपर -8 में बुरी तरह फ्लाप हुई भारतीय क्रिकेट टीम

टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में आज दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 187 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में शिकंजा कसा था, लेकिन अंतिम ओवरों में अफ्रीकी बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर दिया। टीम इंडिया लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही और अफ्रीका ने 76 रनों से मैच जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही। कप्तान एडेन मार्करम (4) और क्विंटन डी कॉक (6) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद डेविड मिलर ने मोर्चा संभाला और भारतीय गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। मिलर ने मात्र 35 गेंदों में 180 के स्ट्राइक रेट से 63 रनों की धुआंधार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

उनका साथ युवा डेवाल्ड ब्रेविस ने दिया, जिन्होंने 29 गेंदों में 45 रन बनाए। पारी के अंत में ट्रिस्टन स्टब्स

ने मात्र 24 गेंदों में नाबाद 44 रन जड़कर टीम को 187 के स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने कोटे में शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। अर्शदीप सिंह को 2 सफलताएं मिलीं, जबकि शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिया। भारत को अब जीत के लिए 188 रनों की जरूरत है।

जवाब में खेलते हुए भारत की खराब शुरूआत रही। टीम इंडिया के ओपनर ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हुए। उनके बाद अभिषेक शर्मा 15 और तिलक वर्मा 1 रन बनाकर आउट हो गए। पावरप्ले में ही टीम इंडिया ने अपने 3 अहम विकेट गंवा दिए। इसके बाद दो विकेट और गिरे और 51 के स्कोर पर आधी भारतीय टीम आउट हो गई।

हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने साझेदारी करने का प्रयास किया लेकिन दोनों तेज रन बनाने में नाकाम रहे। पांड्या 18 रन बना चलते बने। उनके बाद रिंकू सिंह 2 गेंद खेलकर चलते बने और भारत के 7 खिलाड़ी आउट हो गए, इसी ओवर में अर्शदीप भी आउट हो गए और भारत की हार पक्की हो गई। शिवम दुबे ने 37 गेंदों में 42 रन बनाए और 19वें ओवर में 111 पर आउट होकर टीम इंडिया 76 रनों से हार गई। यानसेन ने 4 और केशव महाराज ने 3 विकेट झटके।

कमेंट्री बॉक्स में सुंदर पिचाई, कमेंटेटर्स की सैलरी देख उड़े होश, सिलिकॉन वैली के सीईओ भी छूटे पीछे

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे सुपर-8 मुकाबले में उस वक्त रोमांच दोगुना हो गया, जब गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई अचानक कमेंट्री बॉक्स में नजर आए। सिलिकॉन वैली में दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले पिचाई का क्रिकेट प्रेम किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज उन्हें माइक्रोफोन थामे देख भी दंग रह गए।

चेन्नई की गलियों से निकलकर अमेरिका की सिलिकॉन वैली तक का सफर तय करने वाले सुंदर पिचाई ने कमेंट्री के दौरान रवि शास्त्री के साथ बातचीत की। उनका दिल आज भी भारतीय क्रिकेट के लिए धड़कता है। कमेंट्री करते हुए पिचाई ने करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया।

सिलिकॉन वैली के कई उएड से ज्यादा कमाते हैं कमेंटेटर्स

हैरानी की बात यह है कि जहां अमेरिका में सिलिकॉन वैली के कई दिग्गज सीईओ अपनी 'बेस सैलरी' (आधार वेतन) के नाम पर महज 1 डॉलर या बहुत कम राशि लेते हैं, वहीं क्रिकेट कमेंटेटर्स की एक दिन की कमाई लाखों में है। गूगल के सुंदर पिचाई स्वयं कई वर्षों तक सांकेतिक वेतन लेते रहे हैं (हालांकि उनका अधिकांश हिस्सा स्टॉक ऑप्शंस में होता है)।

इसके विपरीत, भारत के दिग्गज कमेंटेटर्स जैसे रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर प्रति मैच या प्रति दिन के 6 से 10 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं। यदि हम इनके सालाना 100 दिनों के काम का हिसाब लगाएं, तो यह आंकड़ा 10 से 12 करोड़ रुपये के पार चला जाता है। यह एक अनुमान है, राशि इससे ऊपर भी जा सकती है।

आईपीएल से हो जाती है करोड़ों की कमाई

सिलिकॉन वैली के कई उभरते हुए स्टार्टअप्स के सीईओ या वह दिग्गज जो अपनी कंपनी के शेयरों पर निर्भर हैं (जैसे ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी या मार्क जुकरबर्ग जो केवल $1 वेतन लेते थे), उनकी 'कैश इनकम' की तुलना में हमारे देश के टॉप कमेंटेटर्स कहीं आगे नजर आते हैं। आईपीएल (IPL) जैसे सीजन में तो हर्षा भोगले, आकाश चोपड़ा और सुनील गावस्कर जैसे नाम मात्र 2 महीनों में 3 से 5 करोड़ रुपये तक की कमाई कर लेते हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि डेटा और टेक्नोलॉजी की दुनिया के राजा सुंदर पिचाई जब कमेंट्री बॉक्स में बैठते हैं, तो उनके बगल में बैठे लोग भी कमाई के मामले में किसी 'ग्लोबल सीईओ' से कम नहीं हैं।

सुंदर पिचाई की कितनी सैलरी

गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई की सालाना कमाई मुख्य रूप से उनके वेतन और स्टॉक पुरस्कारों पर आधारित होती है। साल 2024 के लिए उनका कुल मुआवजा लगभग 10.7 मिलियन डॉलर (करीब 90 करोड़ रुपये) रहा। इसमें उनका फिक्स्ड बेस वेतन 2 मिलियन डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) है, जबकि बाकी की राशि स्टॉक ऑप्शंस, बोनस और अन्य सुविधाओं के रूप में दी जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जान को खतरा! ईरान को चेतावनी के बीच रिसॉर्ट में घुसा हथियारबंद, मारा गया

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित आलीशान मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार तड़के एक बड़ा सुरक्षा उल्लंघन हुआ। एक 20 साल के श्वेत व्यक्ति ने शॉटगन और ईंधन के डिब्बे के साथ प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसपैठ की, जिसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंटों और पाम बीच काउंटी शेरिफ के डिप्टी ने मुठभेड़ में उसे गोली मारकर मार गिराया।

घटना के समय ट्रंप वाशिंगटन में थे और रिसॉर्ट पर कोई शख्स मौजूद नहीं था। यह घटना ऐसे वक्त हुई है, जब ट्रंप ईरान को कड़ी चेतावनी दे रहे हैं और टैरिफ झटकों से अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ रहा है। आइए जानते हैं ट्रंप पर कब-कब हमले हुए...

स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के करीब 1:30 बजे, फ्लोरिडा के पाम बीच में स्थित मार-ए-लागो रिसॉर्ट (टं१-अ-छॅङ्ग फीर२ङ्ग१३) के उत्तरी गेट के पास संदिग्ध को देखा गया। वह रिसॉर्ट की आंतरिक सुरक्षा घेरे में घुस गया। संदिग्ध व्यक्ति के पास शॉटगन और पेट्रोल का कंटेनर था। अधिकारियों ने उसे सामान छोड़ने का आदेश दिया। उसने कंटेनर तो फेंक दिया, लेकिन बंदूक फायरिंग पोजिशन में उठा ली।

सीक्रेट सर्विस एजेंटों और शेरिफ डिप्टी ने खतरा भांपते हुए गोली चलाई। संदिग्ध की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पहचान परिवार को सूचित करने तक गोपनीय रखी गई है। किसी एजेंट या डिप्टी को चोट नहीं आई। सीक्रेट सर्विस ने बयान में कहा कि घटना में दो फेडरल एजेंट सीधे शामिल थे। संदिग्ध के पास पेट्रोल

कंटेनर की पुष्टि हुई है।

FBI, सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ मिलकर जांच कर रहे हैं। फोरेंसिक सबूत जुटाए जा रहे हैं। शेरिफ रिक ब्रैडशॉ ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हम संदिग्ध का बैकग्राउंड, मोटिव और हरकतों की जांच कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों से उउळश फुटेज शेयर करने की अपील की गई है। यह घटना ट्रंप की सुरक्षा में सेंध की नई कड़ी है, जो उनके राजनीतिक स्टैंड और अंतरराष्ट्रीय विवादों से जुड़ी हो सकती है।

मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्या है?

मार-ए-लागो ट्रंप का निजी क्लब और निवास है, जिसे 'विंटर व्हाइट हाउस' भी कहा जाता है। 1920 के दशक में समुद्रतटीय संपत्ति के रूप में बनाया गया। ट्रंप ने 1985 में 126 कमरों वाली यह प्रॉपर्टी खरीदी और रेनोवेट कराई। 17 एकड़ में फैला है। इसमें थिएटर, स्पा, प्राइवेट क्लब की सुविधाएं। सालाना 1.5 लाख डॉलर से ज्यादा रेवेन्यू जनरेट करता है। ट्रंप यहां राजनीतिक बैठकें, फंडरेजर और डिप्लोमैटिक गेस्ट्स होस्ट करते हैं। यह उनकी सुरक्षा का संवेदनशील जोन है। ट्रंप पर जानलेवा हमलों की टाइमलाइन

ट्रंप पर यह तीसरा बड़ा खतरा है। पहले के हमलेः-

13 जुलाई 2024 - पेंसिल्वेनिया रैलीः बटलर फार्म शो ग्राउंड्स में भाषण के दौरान थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने गोली चलाई। ट्रंप के कान के पास लगी, लेकिन सीक्रेट सर्विस ने बचाया। हमलावर को स्नाइपर ने मार गिराया। एक दर्शक मारा गया, कई घायल।

15 सितंबर 2024 - फ्लोरिडा गोल्फ कोर्सः ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में रयान वेस्ले राउथ अड-47 स्टाइल राइफल के साथ छिपा मिला। सीक्रेट सर्विस ने उसे गिरफ्तार किया। राउथ को लाइफ इम्प्रिजनमेंट की सजा मिली।

22 फरवरी 2026 - मार-ए-लागो रिसॉर्टः आज की घटना, जहां घुसपैठिए को गोली मारी गई। ट्रंप वहां नहीं थे, लेकिन यह असैसिनेशन अटेम्प्ट की तरह देखा जा रहा है।

ये घटनाएं ट्रंप की कड़ी विदेश नीति से जुड़ी हो सकती हैं।

ईरान को ट्रंप की कड़ी चेतावनी और टैरिफ कनेक्शन

यह घटना ऐसे समय हुई जब ट्रंप ईरान को चेतावनी दे रहे हैं। 'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में ट्रंप ने कहा था कि ईरान को मजबूत समझौता करना होगा, वरना बुरी चीजें होंगी। अगले 10 दिनों में पता चलेगा। इससे पहले ट्रंप ने ईरान के प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर सैन्य एक्शन की धमकी दी थी। ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत चल रही है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सूरत के लिंबायत जोन के इंजीनियर विपुल गणेशवाला के खिलाफ एसीबी की शिकायत के बाद भूमिगत हो गए

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत नगर निगम के लिंबायत जोन में कार्यकारी अभियंता के पद पर कार्यरत विपुल गणेशवाला और उनके साथी पत्रकार परवाना के खिलाफ एसीबी ने मामला दर्ज किया है। परवाना 4 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गया है और विपुल गणेशवाला भी उसके साथ ही फरार है।

शून्य त्रुटि एजेंसी

सदर गणेशवाला के बारे में कहा जाता है कि विपुल गणेशवाला, जिस पर पत्रकार इस्माइल उर्फ परवाना को बिचौलिए के रूप में इस्तेमाल करके, उससे पहले सेवा दे चुकी महिला कार्यकारी अभियंता द्वारा ध्वस्त किए गए सभी अवैध ढांचों को ध्वस्त करवाने के लिए पैसे कमाने का आरोप है, पर भवन मालिकों से बड़ी रकम की उगाही करने का भी आरोप है।

एक तरफ तो शहर में अवैध इमारतों के निर्माण को लेकर तक्षशिला जैसा घोटाला चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ इससे सबक लेने के बजाय, मनमाने ढंग से बन रही इन अवैध संपत्तियों को पत्रकारों के हाथों में सौंपकर अपने स्वार्थों को पूरा किया जा रहा है। कहा जाता है कि भ्रष्ट इंजीनियर गणेशवाला के शासनकाल में लिंबायत इलाके में करीब 40 से 50 अवैध शिक्षण भवन बनाए गए थे, जो पत्रकार परवाना और गणेशवाला की मिलीभगत से फल-फूल रहे हैं।

यह भी जानकारी मिली है कि लिंबायत, नवगाम और दिंडोली के पार्षदों की लापरवाही या डर के कारण कई लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इतना ही नहीं, गणेशवाला ने इस महानगर के बौद्धिक माफिया की तरह करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार करके करोड़ों की संपत्ति और गाड़ियां हासिल कर ली हैं। इसके अलावा, गणेशवाला के बेटे की शादी पर भी डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। अगर नगर निगम के अधिकारी जागरूक और सक्रिय होते, तो गणेशवाला ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता। यहां सवाल उठता है कि इस क्षेत्र के पार्षदों को किसका डर सता रहा था कि वे चुप रहे?

इतना ही नहीं, यह मानना भी गलत नहीं होगा कि लिंबायत इलाके में रहने वाला एक साधारण दो कमरों वाला रसोईघर का मालिक भी गणेशवाला की गतिविधियों से अच्छी तरह वाकिफ होगा।

हद तो तब पार हो गई जब लिंबायत के पूर्व भाजपा पार्षद को भी निर्माण कार्य के लिए उत्पीड़न और लूट का सामना करना पड़ा और उन्हें अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है? विश्वसनीय सूत्रों से यह भी पता चला है कि गणेशवाला ने लिंबायत में अवैध निमार्णों की जानकारी हासिल करने के लिए कई बिचौलियों को काम पर रखा है।

इस प्रकार, धन की अपनी भूख को शांत करने के लिए, गणेशवाला ने अंततः पाप का घड़ा भर दिया और कानूनी दस्तावेजों के साथ मौजूदा घरों को भी ध्वस्त करने के नोटिस जारी करके और संपत्ति मालिकों से बड़ी रकम वसूल करके उसे फाड़ डाला।

फिर बस इतना ही कहना काफी है कि एसीबी को विपुल गणेशवाला की आय, उनके बेटे की शादी पर करोड़ों रुपये के खर्च, बैंक लॉकर, नकदी और गहने, घर, वाहन आदि की गहन जांच करके एक मिसाल कायम करनी चाहिए और इस भ्रष्ट व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा देनी चाहिए। तभी भ्रष्टाचार का अंत होगा।

सीएम योगी बोलेः एआई के साथ डीप टेक का भी नेतृत्व करेगा यूपी, लखनऊ में शुरू हुआ IBM का नया सेंटर

(जीएनएस)।

लखनऊ। सीएम योगी ने राजधानी में स्थापित आईबीएम एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि प्रदेश एआई सेक्टर में अग्रणी होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी डीप टेक, एआई व क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। डिजिटल इंडिया, आयुष्मान भारत और डीबीटी की सफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को राजधानी में स्थापित आईबीएम एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा आईबीएम के बीच हुए एमओयू के

लिए आईबीएम इंडिया के सीईओ डॉ. अरविंद कृष्ण और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं यहां आकर अपना सकारात्मक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष आईआईटी कानपुर में डीप टेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के दौरान आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर बात हुई। अब हम लोग मेडटेक पर मिलकर काम कर रहे हैं। यूपी के हालिया बजट में रोबोटिक्स में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। इससे पहले ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए सरकार ने बजट में व्यवस्था की थी।

सीएम ने तकनीक और एआई टूल के उपयोग से इंसेफलाइटिस जैसे रोग के खत्म करने के अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने डाटा कलेक्ट करके विश्लेषण करके इस रोग को जड़ खत्म करने में सफलता पाई है। इसी तरह एजुकेशन में बच्चियों ड्रॉप आउट की समस्या की एआई टूल से विश्लेषण किया गया तो पता चला कि स्कूलों में शौचालय का न होना ही मूल समस्या है। इस पर सरकार ने हर स्कूल में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट और पेयजल की व्यवस्था करके स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट को शून्य करने में सफल हुए हैं।

आईबीएम से कहा-करें हमारा सहयोग

सीएम ने लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करने के संकल्प को दोहराते हुए इसमें आईबीएम से सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा हमें क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए काम करना है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है। क्योंकि देश का पहला कंप्यूटर आईबीएम ने ही कानपुर आईआईटी में स्थापित किया था। क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आईआईटी कानपुर नोएडा वाले कैंपस में सहयोग करने को तैयार है। हम सहयोग करने को तैयार है। आईबीएम तैयार है। तीनों मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाएंगे।

इस दौरान दौरान आईबीएम और यूपी सरकार के साथ दो समझौते हुए। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के साथ मिलकर यह सेंटर विभिन्न विभागों में एआई आधारित उपयोगों को विकसित करेगा और भिन्न-भिन्न विभागों में डिजिटल व एआई क्षमता को मजबूत करेगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय के साथ मिलकर कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों और शिक्षकों के लिए एआई साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर आईबीएम के चेयरमैन अधिकारी अरविंद कृष्णा तथा साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल, आईआईटी कानपुर के निदेशक मनिन्द्र अग्रवाल मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीनजी ने अहमदाबाद के खाड़िया स्थित विरासत (हेरिटेज) के प्रतीक देसाई की पोल में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 131वां एपिसोड देखा

जिस स्थान से भाजपा की नींव मजबूत होना शुरू हुई, ऐसे हेरिटेज क्षेत्र खाड़िया में उपस्थित रहकर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ

सफाई कामगार भाई को अपना खेस पहनाकर उनके सेवा कार्य की प्रशंसा की और सम्मानित किया

'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव यादगार और अविस्मरणीय है - श्री नितिन नवीन जी

पोल में उपस्थित निवासियों और कार्यकर्ताओं के परिजनों से बड़े उत्साह और उमंग के साथ मुलाकात करते श्री नितिन नवीन जी

श्री नितिनजी ने देसाई की पोल के घरों के द्वारों पर खड़े नागरिकों ने गगनभेदी जयघोष के साथ श्री नितिन नवीन जी का अभिवादन किया

बूथ अध्यक्ष, वार्ड. अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष एक साथ बैठकर इस तरह कार्यक्रम देखें, यह केवल भाजपा में ही संभव है - श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा

गुजरात प्रदेश भाजपा मीडिया विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी ने आज अहमदाबाद के खाड़िया स्थित विरासत के उत्तम प्रतीक देसाई की पोल में भारतीय जनता पार्टी के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदीजी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' का 131वां एपिसोड देखा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी.एल. संतोष जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री रत्नाकर जी और कर्णावती महानगर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री नितिन नवीन जी ने बूथ कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए कहा कि, आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी की भूमि पर, जहाँ भाजपा की नींव रखी गई, ऐसे हेरिटेज क्षेत्र खाड़िया में उपस्थित रहकर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव यादगार और अविस्मरणीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम का संवाद हमेशा प्रेरणादायी होता है।

'मन की बात' कार्यक्रम के समापन के बाद श्री नितिन नवीन जी ने पोल में उपस्थित निवासियों और कार्यकर्ताओं के परिजनों से बड़े उत्साह के साथ मुलाकात की और नागरिकों के अभिवादन को स्वीकार किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने वहां उपस्थित एक सफाई कामगार भाई को अपना खेस पहनाकर उनके सेवा कार्य की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने देसाई की पोल के घरों के दरवाजों पर उनका स्वागत करने के लिए खड़े बुजुर्गों को नमन कर उनके आशीर्वाद लिए। उपस्थित जनमेदनी ने श्री नितिन नवीन जी के इस विनम्र और सरल व्यवहार का गगनभेदी जयघोष के साथ स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा ने कहा कि; बूथ अध्यक्ष, वार्ड. अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष एक साथ बैठकर इस प्रकार कार्यक्रम देखें, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है। आज हेरिटेज सिटी अहमदाबाद की ऐतिहासिक पोल संस्कृति के सानिध्य में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव आनंददायी और कार्यकर्ताओं से संवाद करने का एक सुनहरा अवसर रहा।

मानदेय बढ़ोतरी से झूमे शिक्षा मित्र, खुशी की लहर

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधानसभा सदन में शिक्षा मित्रों को बड़ी सौगात देते हुए उनका मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की है। यह बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा।

सरकार के इस फैसले के बाद शिक्षा मित्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग कर रहे शिक्षा मित्रों ने इसे अपने संघर्ष और धैर्य का सकारात्मक परिणाम बताया है। आठ हजार रुपये की बढ़ोतरी से हजारों परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सरकार के इस फैसले से शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत यादव ब्लाक संरक्षक अवनींद्र बहादुर सिंह,दिनेश कुमार यादव,धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी ,नागेंद्र कुमार निषाद जिला मीडिया प्रभारी,राम सुभग पाण्डेय, अब्दुल कलाम, पन्नालाल यादव, महेश प्रसाद, अशोक कुमार गुप्ता, अर्जुन राय, संतोष कुमार दुबे, अंबिका प्रसाद, रफीक अहमद आदि ने खुशी व्यक्त की है।

चुनाव आयोग ने 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की फाइनल ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की जारी, कटे 1.70 करोड़ नाम

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ) के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के बाद 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1.70 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं. गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल सहित कई राज्यों में मतदाता आधार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है.

चुनाव आयोग ने 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया के तहत फाइनल ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की.

चुनाव आयोग ने 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया के तहत फाइनल ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की.

नई दिल्ली, (जीएनएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ) के तहत फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने के बाद 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1.70 करोड़ से अधिक नाम कटे हैं. गुजरात, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, गोवा और केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा शनिवार को साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 27 अक्टूबर से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू होने से पहले इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का संयुक्त मतदाता आधार 21.45 करोड़ से अधिक था.

इस सप्ताह फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश होने के बाद यह संख्या घटकर 19.75 करोड़ रह गई, जिसका मतलब हुआ कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद कुल मिलाकर 1.70

करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूची से बाहर हो गए. केंद्रीय चुनाव आयोग की यह प्रक्रिया जो चर्चा के केंद्र में रही, बिहार में पूरी हो चुकी है. वहीं, फिलहाल 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी है, जहां लगभग 60 करोड़ मतदाता शामिल हैं. इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद बाकी बचे 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में इसे शुरू किया जाएगा, जिसमें करीब 40 करोड़ मतदाता शामिल हैं.

22 राज्यों में कब से होगा रक्फ़ चुनाव आयोग ने किया ऐलान

असम में चुनाव आयोग ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के बजाय 'स्पेशल रिवीजन' प्रक्रिया पूरी की, जो 10 फरवरी को संपन्न हो गई. विभिन्न कारणों से 9 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के शेड्यूल में बार-बार बदलाव किए गए हैं. बिहार की तरह ही तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में एसआईआर की चार महीने से अधिक चली कवायद के बाद फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित कर दी गई है.

यह भी पढ़ें: 'रक्फ़ पूरा नहीं हुआ तो चुनाव नहीं करा पाएंगे...', सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को चेताया

छत्तीसगढ़ में पिछली मतदाता सूची के मुकाबले एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में 24 लाख नाम कट गए हैं, जबकि 2,34,994 नए मतदाता जुड़े हैं. अब छत्तीसगढ़ में कुल 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 पंजीकृत मतदाता हैं. चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर ड्राफ्ट सूची पब्लिश होने से पहले राज्य में 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाता थे. मध्य प्रदेश में प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व यानी पिछले साल सितंबर तक राज्य में कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे.

राजस्थान में 31.36 लाख नाम कम हुए

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद यह संख्या 5,39,81,065 रह गई है. इस प्रकार मध्य प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद 34,25,078 नाम मतदाता सूची से कटे हैं. राजस्थान में एसआईआर के बाद फाइनल वोटर लिस्ट में 31.36 लाख नाम कम हुए हैं. एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट के अनुसार अब प्रदेश में कुल 5 करोड़ 15 लाख 19 हजार 929 मतदाता हैं. वहीं, 27 अक्टूबर 2025 को एसआईआर शुरू होने से पहले मतदाताओं की कुल संख्या 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 थी.

राफेल लड़ाकू विमान पर रोडमैप तैयार, 50% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर अड़े भारतीय वातार्कार, फ्रांसीसी अधिकारी झुके

(जीएनएस)।

सफ्रान के साथ M88 टबोफैन इंजन के स्थानीय विनिर्माण और असेंबली पर गंभीर चर्चा चल रही है। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। इंजन पर बात बन सकती है।

राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर दस्तखत होने में कितना समय लगेगा?

पेरिसः भारत और फ्रांस के अधिकारी 114 राफेल लड़ाकू विमान पर सौदा तय करने के लिए जमकर माथा पच्ची कर रहे हैं। बिल्कुल उसी तरह से सौदेबाजी हो रही है जैसे दिल्ली के सरोजनी नगर मार्केट में कपड़े खरीदते वक्त होती है। पिछले दिनों नवभारत टाइम्स से बात करते हुए नौसेना के एक पूर्व अधिकारी ने, जो रूस के साथ एक मिलिट्री हार्डवेयर (बड़े सौदे) में शामिल थे, उन्होंने कहा था कि ये बातचीत भी उसी तरह से होती है जैसे सब्जी खरीदते वक्त की जाती है। एक एक प्वाइंट पर कई कई राउंड में बैठक। इस तरह के डिफेंस डील में आखिरी जीत उसी की होती है जो सबसे ज्यादा धैर्य दिखाता है। इसीलिए दोनों ही देशों के अधिकारियों के धैर्य की परीक्षा हो रही है।

फ्रांसीसी अखबारों का कहना है कि भारत की पहली शर्त ही मेक इन इंडिया है और चूंकी फ्रांसीसी कंपनी पहली बार देश से बाहर अपनी फैसिलिटी खोलने जा रही है, इसलिए काफी हिचकिचाहट है। फ्रांस से बाहर राफेल का प्रोडक्शन शुरू करने में कई अधिकारियों को एतराज भी है, लेकिन अरबों डॉलर की डील हाथ से बाहर जाने नहीं देना चाहते। इसीलिए बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि अभी कम से कम एक साल और बातचीत में लगेगा। अगले साल मार्च-अप्रैल तक राफेल पर सौदेबाजी पूरी हो सकती है।

भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद

(DAC) से राफेल सौदे को मंजूरी मिल चुकी है। रक्षा मंत्रालय में हथियारों की खरीद-बिक्री की जिम्मेदारी संभाल चुके रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल संजय वर्मा से नवभारत टाइम्स ने इस पूरी प्रक्रिया को समझने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि रक्षा समझौते होना काफी जटिल और कई महीनों और कई सालों तक चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जैसे ऊंऊ से मंजूरी मिलने के बाद अब तकनीकी मूल्यांकन समिति (TEC) इसकी जांच करेगी। इसके बाद फिर कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) से सौदे को मंजूरी लेनी होगी। CCS से फाइनेंशियल मंजूरी मिलती है और उसके बाद जाकर ही आखिरी समझौते पर दस्तखत किए जाते हैं।

संजय वर्मा ने कहा कि भारत में ये चरण कई महीनों तक चलने वाली प्रक्रिया है और कई बार डिफेंस डील में इस वजह से देरी हो जाती है, लेकिन ये जरूरी है। जैसे राफेल को लेकर भारत हर हाल में मेक इन इंडिया चाहता है। राफेल अगर भारत में बनता है तो लड़ाकू विमानों को लेकर एक इको-सिस्टम डेवलप होगा, जिसका असर अगले कई दशकों तक देखने को मिलेगा। फ्रांसीसी अखबार ले मोंडे ने इस डील को लेकर लिखा है कि "यह फ्रांसीसी डिफेंस फर्मों के लिए एक बड़ी कामयाबी है, जिनका बिजनेस मॉडल काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर करता है। लेकिन यह एक चुनौती भी है, क्योंकि भारतीय अधिकारी देश में और ज्यादा इन्वेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को पक्का करने के लिए पक्का इरादा दिखा रहे हैं।" इसने ये भी बताया है कि फ्रांसीसी अधिकारी 'भारत को बड़ी छूट देने को तैयार हैं।'

रिपोर्ट के मुताबिक, राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट ने लोकल मैन्युफैक्चरिंग के लिए करीब 40% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का ऑफर रखा है, लेकिन बातचीत में शामिल भारतीय अधिकारी 50 प्रतिशत से कम पर तैयार नहीं हैं। भारतीय अधिकारी अड़े हुए हैं। ये घरेलू इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। कई सारी बातों पर अभी और माथापच्ची करना बाकी है जैसे टेक्निकल ओवरसाइट कमेटी (TOC) के दौरान डसॉल्ट को एक पूरा रोडमैप बनाना होगा, भारतीय प्रोडक्शन के लिए तय इक्विपमेंट की एक डिटेल्ड लिस्ट तैयार करनी होगी, इसमें शामिल पार्टनर कंपनियों की तलाश करनी होगी और हर एक को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का सही लेवल क्या होगा, ये तय करना होगा। कुल मिलाकर ये काफी सख्त चेकलिस्ट है जिसका मकसद यह पक्का करना है कि 50% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सिर्फ कागजों पर ना रहे।

भारत में बनेगा फ्यूजलेज- एक बात जो तय हो चुका है वो ये कि राफेल का पूरा फ्यूजलेज भारत में ही बनाया जाएगा, जिसमें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) एक अहम खिलाड़ी के तौर पर आगे आ रहा है। एक ऐसी कंपनी के लिए जो पहले से ही ग्लोबल एयरोस्पेस सप्लाई चेन में गहराई से जुड़ी हुई है, यह एक बहुत बड़ी छलांग होगी। एयरक्राफ्ट के सबसे मुश्किल और स्ट्रक्चर के हिसाब से जरूरी हिस्सों में से एक को यहीं अपने देश में संभालना एक बड़ा कदम है।

इंजन पर बातचीत- सफ्रान के साथ M88 टबोफैन इंजन के स्थानीय विनिर्माण और असेंबली पर गंभीर चर्चा चल रही है। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। फ्रांसीसी कंपनी सफरान ने भारत में इंजन असेंबली लाइन खोलने के लिए सार्वजनिक रूप से तत्परता दिखाई है, जो इस सौदे में मेक इन इंडिया के प्रति फ्रांस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फ्रांसीसी अखबार का कहना है कि हालांकि प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन गहन बातचीत और तकनीकी मूल्यांकन के कारण इस सौदे के मार्च 2027 के आसपास अंतिम रूप लेने की संभावना है।

घर में खाना मिला, तंगी- बीमारी ने छीने सत्यवीर और परिवार के सपने

(जीएनएस)। कासगंज जिले के अमांपुर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। यहां एक घर में परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, घर के मुखिया ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की हत्या करने के बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों तथा रिश्तेदारों से पूछताछ के बाद डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि इस दुखद वारदात के पीछे मुख्य रूप से आर्थिक तंगी का कारण नजर आ रहा है। परिवार के सदस्यों की मौत करीब तीन दिन पहले हुई बताई जा रही है। घटना से पहले मृतक ने घर के सभी दरवाजे अंदर से बंद कर दिए थे और एक दरवाजे पर ताला भी लगा दिया था। इसके बाद उसने पत्नी और बच्चों की जान ली और खुद फंदे पर लटक गया। परिवार के मुखिया सत्यवीर ने अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए गांव छोड़ा और अमांपुर में आकर वेल्डिंग का काम करने लगा। सत्यवीर ने अपने बच्चों के लिए सुनहरे भविष्य का सपना देखा, लेकिन आर्थिक तंगी और बेटे की बीमारी ने उसके साथ उसके परिवार के लोगों के सपने छीन लिए।

'100 विधायक लाओ मुख्यमंत्री बन जाओ', सीएम योगी के विदेश दौरे पर अखिलेश का ऑफर

सीएम योगी आदित्यनाथ के विदेश दौरे पर रवाना होते ही यूपी की सियासत गरमा गई है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दोनों डिप्टी सीएम को 100 विधायक लाकर मुख्यमंत्री बनने का ऑफर दिया, जिस पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है. बीजेपी ने अखिलेश यादव की तुलना पोगो चैनल के कैरेक्टर से की है.

(जीएनएस)।, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज विदेश दौरे पर रवाना होंगे. हालांकि इससे पहले ही समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रेजेश पाठक को मुख्यमंत्री बनने का ऐसा ऑफर दे दिया जिसके बाद यूपी की राजनीति गरमा गई है.

'100 विधायक लाओ मुख्यमंत्री बन जाओ'

दरअसल अखिलेश यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मैं फिर से दोनों डिप्टी सीएम को ऑफर दे रहा हूं, 100 विधायक लाओ और

मुख्यमंत्री बन जाओ. इसके आगे उन्होंने कहा कि भाई जो 100 विधायक लाएगा वही तो मुख्यमंत्री होगा. हालांकि अखिलेश यादव के इस ऑफर पर अब बीजेपी ने भी पलटवार किया है.

बीजेपी ने अखिलेश पर बोला हमला

भाजपा नेता और प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका बयान राजनीतिक हताशा को दशार्ता है. शुक्ला ने कहा, 'सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब राजनेता कम और पोगो चैनल के कैरेक्टर ज्यादा लगते हैं, जब भी वो टीवी पर आते हैं तो लोग मुस्कुराने लगते हैं. वो गंभीर मुद्दों पर भी हंसी-ठिठोली करते हैं. जनता उन्हें गंभीरता से नहीं ले रही है.'

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव का यह बयान उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस और निराशा को दिखाता है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विकास और स्थिरता चाहती है, न कि बयानबाजी और व्यंग्य.

22 फरवरी की रात विदेश दौरे पर रवाना होंगे सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 फरवरी की रात सिंगापुर और जापान की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे. जापान प्रवास के दौरान वो 600 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली मैग्लेव ट्रेन में 100 किलोमीटर की ट्रायल यात्रा करेंगे और टोक्यो-नागोया मैग्लेव कॉरिडोर का अवलोकन भी करेंगे. इस दौरे में उनकी निवेशकों के साथ बैठकें, मंदिर दर्शन तथा प्रदेश में आधुनिक परिवहन प्रणाली और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान रहेगा.

नेतन्याहू को 'माय फ्रेंड' कहकर पीएम मोदी ने किया धन्यवाद, बोले - इजरायल संग रिश्ता भरोसा और इनोवेशन पर टिका

नई दिल्ली, (जीएनएस)।, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर इजरायल जाएंगे. इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मोदी को अपना 'व्यक्तिगत मित्र' बताते हुए भारत को एक वैश्विक शक्ति बताया है. नेतन्याहू ने इस दौरे को दोनों देशों के संबंधों को मजबूती देने का महत्वपूर्ण अवसर बताया.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी, दो दिवसीय दौरे पर इजरायल की यात्रा पर जाने वाले हैं. इस यात्रा के पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रिश्ते को लेकर खुलकर बातचीत की है और भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बताया है. प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर नेतन्याहू बड़े उत्साहित नजर आ रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नेतन्याहू को उनके स्नेह और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है.

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना 'व्यक्तिगत मित्र' बताया है. यह बड़ा बयान उन्होंने अपनी भारत यात्रा से पहले दिया. नेतन्याहू ने कहा कि हाल के सालों में इजरायल और भारत के बीच गहरे और खास संबंध विकसित

हुए हैं, जो दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं.

नेतन्याहू ने कहा कि इस सप्ताह की उनकी यात्रा के दौरान, दोनों देशों के बीच इस खास रिश्ते की झलक देखने को मिलेगी. उन्होंने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में सम्मानित करते हुए कहा कि उनके और नरेंद्र मोदी के बीच मजबूत व्यक्तिगत दोस्ती है. नेतन्याहू ने यह भी बताया कि वे समय समय पर फोन पर बातचीत करते हैं और एक-दूसरे के देशों का दौरा भी करते रहते हैं, जिससे संबंधों में निरंतरता बनी रहती है.

अगर ईरान में उतरी अमेरिकी सेना तो किसकी होगी जीत?

उन्होंने यह साफ किया कि दोनों देशों के बीच सम्बंधों का ताना-बाना पहले से और भी मजबूत हुआ है और आने वाली मुलाकात के दौरान सरकारों और देशों के बीच सहयोग को और व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे. खासतौर पर आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा के क्षेत्रों में यह सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जायेगा.

यह भी पढ़ें: 'ईरान का परमाणु ढांचा पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए', ट्रंप के सामने इजरायली पीएम नेतन्याहू की शर्त

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'धन्यवाद, मेरे दोस्त, प्रधानमंत्री नेतन्याहू. भारत और इजरायल के बीच गहरा और बहुआयामी संबंध है, जो विश्वास, नवाचार और शांति तथा प्रगति की साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है. उन्होंने दोनों देशों के बीच मित्रता को अत्यंत मूल्यवान बताया और इसे स्थायी और मजबूत करार दिया. भारत और इजरायल का रिश्ता नवाचार और तकनीकी विकास के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रहा है.'

'भारत-अमेरिका एआई अवसर साझेदारी' का एलान, पैक्स सिलिका के तहत टेक सहयोग को मिलेगी नई रफ्तार

(जीएनएस)।

भारत और अमेरिका की तरफ से जारी किए गए संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों का मानना है कि स्वतंत्र दुनिया के सामने सबसे बड़ा जोखिम एआई की प्रगति नहीं, बल्कि उसमें नेतृत्व करने में विफल रहना है।

अमेरिका और भारत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई देने के लिए 'यू.एस.-इंडिया एआई अवसर साझेदारी' की संयुक्त घोषणा की है। यह समझौता 'पैक्स सिलिका घोषणा' के तहत एक द्विपक्षीय परिशिष्ट के रूप में किया गया है। दोनों देशों ने कहा कि 21वीं सदी का भविष्य एआई की भौतिक बुनियाद- महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कंप्यूटिंग क्षमता और सेमीकंडक्टर निर्माण पर निर्भर करेगा। इस संदर्भ में अमेरिका और भारत ने भरोसेमंद सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और मुक्त उद्यम को एआई विकास का आधार बनाने की साझा प्रतिबद्धता जताई।

बयान में क्या कहा गया?

संयुक्त बयान में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज' (ट्रस्ट) पहल के तहत व्यक्त दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश एआई को डर के बजाय अवसर के रूप में देखते हैं। दोनों पक्षों का मानना है कि स्वतंत्र दुनिया के सामने सबसे बड़ा जोखिम

एआई की प्रगति नहीं, बल्कि उसमें नेतृत्व करने में विफल रहना है।

दोनों देशों ने एआई सहयोग के लिए कई प्रमुख प्राथमिकताएं तय की हैं। अमेरिका और भारत ऐसे नियामक ढांचे को बढ़ावा देंगे जो तकनीकी नवाचार और निवेश को प्रोत्साहित करे। उद्देश्य है कि स्टार्टअप्स, डेवलपर्स, कोडर्स और प्लेटफॉर्म्स को सुरक्षित और भरोसेमंद एआई सिस्टम विकसित करने, परीक्षण करने और तेजी से विस्तार करने का अवसर मिले।

पैक्स सिलिका ढांचे के तहत दोनों देश ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार, महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन, कुशल कार्यबल के विकास और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में संयुक्त पहल करेंगे। इसमें अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

दोनों देश निजी क्षेत्र की रचनात्मक शक्ति को एआई क्रांति का प्रमुख चालक मानते हैं। वे सीमा-पार वेंचर कैपिटल प्रवाह, अनुसंधान एवं विकास साझेदारी, अगली पीढ़ी के डाटा सेंटरों में निवेश, कंप्यूटिंग संसाधनों और प्रोसेसर तक पहुंच तथा एआई मॉडल और एप्लिकेशन विकास में सहयोग बढ़ाने पर काम करेंगे।

संयुक्त बयान में कहा गया कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अमेरिका और भारत न केवल स्वतंत्रता की रक्षा में, बल्कि समृद्धि और सामाजिक सामंजस्य की दिशा में भी साथ खड़े हैं। दोनों देशों ने एक ऐसे एआई भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया है जो नागरिकों की सेवा करे, अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाए और स्वतंत्रता, खुलापन तथा विधि के शासन जैसे साझा मूल्यों को प्रतिबिंबित करे।

बंगाल की खाड़ी में 'प्रलय' की दस्तक! झमाझम बारिश, 55किमी. का तूफान; 10 राज्यों में आईएमडी अलर्ट

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम के कारण देश के 10 राज्यों में भारी बारिश और 55 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण भारत में मूसलाधार बारिश की चेतावनी है. वहीं उत्तर भारत में तापमान तेजी से बढ़ने वाला है. देशभर में मौसम के इस बदलाव को ग्लोबल क्लाइमेट पैटर्न और एल नीनो प्रभाव से भी जोड़ा जा रहा है. आइए इस खबर में पढ़ते हैं देश के मौसम का हाल.

फरवरी महीना अंत में है और ठंड की विदाई होगा चली है. पूरे देश में मौसम बदल रहा है. उत्तर भारत में गर्मी दस्तक दें रहा है. वहीं दक्षिण भारत में बारिश होने लगी है. राजधानी दिल्ली में गर्मी का एहसास होने लगा है लेकिन बीच-बीच में बारिश ठंड अभी है का एहसास करा रही है. वहीं अब मौसम विभाग (IMD) ने बड़े बदलाव का संकेत दे दिया है. बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर सिस्टम अब सक्रिय हो चुका है और इसका असर धीरे-धीरे पूरे देश में दिखाई देने लगा है. दक्षिण भारत में तेज बारिश, गरज-चमक और 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है. मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सिस्टम कई राज्यों में अचानक मौसम बिगाड़ सकता है.

IMD के मुताबिक यह वेदर सिस्टम सिर्फ बारिश तक सीमित नहीं रहेगी. तेज हवाएं, बिजली गिरने और समुद्री इलाकों में ऊंची लहरों का खतरा भी बना रहेगा. मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है. वहीं उत्तर भारत में बिल्कुल उल्टा ट्रेंड देखने को मिल रहा है. यहां तापमान तेजी से बढ़ने वाला है. यानी देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के दो रंग दिखाई देंगेङ्क कहीं तूफानी बारिश तो कहीं गर्मी की दस्तक.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में लाल बारादरी का 'नमाज गेट' सील, बैरिकेडिंग लगने के बाद छात्र नेताओं ने किया प्रदर्शन

(जीएनएस)।

लखनऊ। (जीएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में रविवार को लाल बारादरी में नमाज पढ़ने वाले गेट को सील कर दिया गया। निर्माण के लिए बैरिकेडिंग लगा दी गई। इसके विरोध में विश्वविद्यालय के कई छात्र संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

छात्र नेताओं ने बैरिकेडिंग गिरा दी। बारादरी के पास हो रहे निर्माण की सामग्री भी फेंक दी। विरोध प्रदर्शन देर तक जारी रहा। पुलिस के समझाने पर लोग माने।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जीर्ण-शीर्ण बारादरी की फेंसिंग की पहले से तैयारी की थी। इसको लेकर विरोध

की आशंका भी थी। इसीलिए विश्वविद्यालय की कुलसचिव भावना मिश्रा ने शनिवार को हसनगंज थाना प्रभारी को पत्र लिखकर सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की थी। रविवार को बारादरी के किनारे ईंटों से जोड़ाई शुरू की गई। इसी बीच छात्र नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया।

छात्र नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में मुस्लिम विद्यार्थियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इस मामले में विश्वविद्यालय के निर्माण अधीक्षक डा. श्यामलेश का कहना है कि लाल बारादरी का भवन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। कभी भी गिर सकता है। इसी वजह से यहां बैंक, क्लब, कैंटीन खाली कराया जाना है।

यह भी पढ़ें- बाराबंकी में ट्रांसफार्मर से 6 लाख का कॉपर चोरी, धरौली के 300 घरों की बत्ती गुल

कुछ लोग दरवाजे से बारादरी से अंदर चले जाते हैं। कई बार असुरक्षित गतिविधियां भी पाई गईं। इसलिए टूटे दरवाजे बंद करने के लिए चुनाई करा दी गई। बारादरी के बाहर जाली लगाई जा रही थी, जिसका छात्रों ने विरोध शुरू कर दिया।

लखनऊः होली से पहले FSDA का बड़ा एक्शन, 41 लाख का सड़ा-गला खजूर और कचरी जब्त

लखनऊ में खाद्य विभाग ने मिलावट खोरों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है. जिसके तहत 41 लाख रुपये से अधिक का एक्सपायर्ड माल जब्त किया गया है. ये माल होली और रमजान पर सप्लाई किया जाना था.

(जीएनएस)।

रमजान और होली से पहले राजधानी लखनऊ में मिलावट खोरों की नींद उड़ गई है. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (ऋऊअ) ने शहर भर में ताबड़तोड़ छापेमारी कर 41 लाख रुपए से अधिक मूल्य के खाद्य पदार्थ सीज कर दिए. जिसमें 1320 किलो खजूर और 1418 किलो रंगीन कचरी जब्त की गई. इस कार्रवाई से त्योहारों के नाम पर सेहत से खिलवाड़ करने वालों को साफ संदेश दे दिया गया है कि इस बार कोई रियायत नहीं मिलेगी.

सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय विजय प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि खोया, पनीर, दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल, घी, वनस्पति, रंगीन कचरी, पापड़, चिप्स, नमकीन, मिठाइयों, बेसन और

मैदा पर विशेष निगरानी रखी जा रही है. टीम ने छह नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला भेजा है. रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई तय मानी जा रही है.

अयोध्या रोड स्थित हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में 1320 किलो एक्सपायर्ड खजूर असुरक्षित पाए गए. जिन्हें मौके पर ही नष्ट करा दिया गया. यहीं नहीं, 2000 किलो हल्दी और 20475 किलो सुपारी भी सीज की गई. अमीनाबाद के स्वरूप कोल्ड स्टोरेज समेत कई ठिकानों पर कार्रवाई करते हुए हजारों किलो खाद्य सामग्री पर ताला जड़ दिया गया. इसके अलावा रायबरेली रोड की डेयरियों और मिठाई दुकानों से पनीर और पेड़ा के नमूने उठाए गए, जबकि 1418 किलो रंगीन कचरी भी जब्त की गई. कुल मिलाकर 23893 किलो खाद्य पदार्थ कार्रवाई की जद में आए.

इस एक्शन से साफ है कि त्योहारों की मिठास में जहर घोलने वालों पर इस बार प्रशासन की पैनी नजर है. साथ ही प्रशासन ने आमजन से भी अपील है कि संदिग्ध खाद्य सामग्री की सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके.

100 छात्रों ने किया लखनऊ विज्ञान केंद्र का भ्रमणःलखीमपुर-खीरी में खंड शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

(जीएनएस)।

बांकेगंज में राष्ट्रीय विज्ञान अविष्कार अभियान के तहत बांकेगंज ब्लॉक क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 तक के 100 छात्र-छात्राओं ने लखनऊ स्थित विज्ञान आंचलिक केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जागरूक और प्रेरित करना था।

खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विज्ञान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, मॉडल और प्रयोगों की विस्तृत जानकारी दी गई। विज्ञान आंचलिक केंद्र में छात्रों ने वैज्ञानिक उपकरणों, मॉडलों और नवाचारों को करीब से देखा और विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को अपनी नोटबुक में दर्ज किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान अविष्कार से संबंधित गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने पूरे विजिट का लेखा-जोखा भी तैयार किया, जिसे बाद में बीआरसी में प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और नवाचार के प्रति उनकी रुचि बढ़ाना था।

सभी छात्रों को बसों के माध्यम से लखनऊ भेजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार ने बसों को हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर ब्लॉक संसाधन केंद्र के एआरपी हेमंत पाल सिंह यादव, अभिनव बाजपेई, सहायक लेखाकार दिनेश शर्मा, शिक्षक प्रमोद कुमार, कुलदीप कुमार, संजय कुमार, मीनाक्षी देवी, ऊषा रानी, अरविंद पटेल और रंजीश कुमार सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग की इस पहल से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना को नई दिशा मिली है।

वकील बनकर कोर्ट में पैरवी कर रहा था युवक, अधिवक्ताओं ने किया पदार्फाश, लखनऊ पुलिस ने दबोचा

लखनऊ स्थित सिविल कोर्ट में 23 वर्षीय गुफरान फर्जी वकील बनकर मुकदमे की पैरवी करते पकड़ा गया। अधिवक्ताओं को संदेह होने पर बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन मांगा गया, लेकिन वह दस्तावेज नहीं दिखा सका।

लखनऊः (जीएनएस)। लखनऊ के वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित सिविल कोर्ट परिसर में फर्जी अधिवक्ता बनकर वकालत कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार को युवक वकील की वेशभूषा पहनकर अदालत की तीसरी मंजिल पर एक मुकदमे की पैरवी करने पहुंचा था। संदेह होने पर अधिवक्ताओं ने उससे पूछताछ की, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। आरोपी की पहचान 23 वर्षीय गुफरान के रूप में हुई है, जो तोपखाना बाजार, थाना कैंट क्षेत्र का निवासी है।

जानकारी के मुताबिक, वह बाकायदा काले कोट और अधिवक्ता की ड्रेस में अदालत पहुंचा और खुद

को वकील बताकर एक मुकदमे में पैरवी करने लगा। उसके हाव-भाव और व्यवहार पर कोर्ट परिसर में मौजूद कुछ अधिवक्ताओं को शक हुआ। अधिवक्ताओं ने उससे बार काउंसिल में पंजीकरण संबंधी प्रमाणपत्र और रजिस्ट्रेशन नंबर के बारे में पूछताछ की। युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं कर पाया। इससे मामला संदिग्ध हो गया। इसके बाद अधिवक्ताओं ने तत्काल वजीरगंज थाना पुलिस को सूचना दी।

दर्ज केस

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गुफरान किसी भी बार काउंसिल का पंजीकृत अधिवक्ता नहीं है।

जेएनयू में दलितों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर छात्रों ने कुलगुरु का फूंका पुतला, इस्तीफे की मांग तेज

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलगुरु शांतिश्री डी. पंडित के यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 व दलित और अश्वेत लोग हमेशा पीड़ित बनकर या विक्टिम कार्ड खेलकर आगे तरक्की नहीं कर सकते वाले बयान को लेकर परिसर में विवाद गहराता जा रहा है।

छात्र संगठनों और शिक्षक संघों ने बयान को लेकर तीखी आपत्ति जताते हुए कुलगुरु से इस्तीफे की मांग की है। विरोध स्वरूप छात्र संघ ने शनिवार को पुतला दहन कर प्रदर्शन भी किया, जबकि रविवार रात 'समता जुलूस' निकालने का आ'ान किया गया है।

जेएनयू छात्र संघ के महासचिव सुनील यादव ने आरोप लगाया कि एक पॉडकास्ट में कुलगुरु ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इक्विटी रेगुलेशन को अनावश्यक बताया और एक वर्ग विशेष पर टिप्पणी की। उनके अनुसार, यह

बयान अस्वीकार्य है और विश्वविद्यालय की समावेशी परंपरा के विपरीत है।

वहीं जेएनयू शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरजीत मजूमदार ने टिप्पणी को 'चौंकाने वाला और शर्मनाक' बताते हुए कहा कि इस तरह का वक्तव्य विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाता और कुलगुरु को पद छोड़ देना चाहिए। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की केंद्रीय कार्यकारी समिति ने भी बयान की निंदा करते हुए कहा कि जब वंचित समुदायों के छात्र समान अवसर और गरिमा के लिए संघर्ष कर रहे हों, तब शीर्ष पद से इस प्रकार की टिप्पणी गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील है।

हालांकि पूरे विवाद पर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। छात्र संगठनों का कहना है कि जब तक स्पष्ट स्पष्टीकरण या कार्रवाई नहीं होती, विरोध जारी रहेगा। इस मुद्दे ने परिसर की अकादमिक राजनीति को एक बार फिर गरमा दिया है और आने वाले दिनों में आंदोलन तेज होने की संभावना जताई जा रही है।